गृह मन्त्रालय मे राज्य मन्त्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) से (ग). मध्य प्रदेश के डाकू-आतकित क्षेत्रो मे डाकुओ के आतक का सामना करने के उपाय करना मुख्यत राज्य सरकार का कार्य है जिसे विधि व व्यवस्था बनाये रखने का कार्य भार सौपा गया है। तथापि, भारत सरकार इस समस्या के प्रति सजग है और समस्या के विभिन्न पहलुओ की सावधानी से जाच करने के फलस्वरूप इसे हल करने के लिए एक व्यापक तथा एकीकृत योजना तैयार की गई है। मोटे तौर पर इस योजना मे इस क्षेत्र की निम्नलिखित अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन आवश्यकताए समाविष्ट है —

(क) क्षेत्र का कृषि तथा आर्थिक विकास जिसमे बीहड़ो को कृषि योग्य बनाना भी शामिल है ;

(ख) सडको का विकास ,

(ग) पुलिस को उपलब्ध परिवहन तथा संचार सुविधाओ को उन्नत करना।

इस योजना को कार्यान्वित करने मे राज्य सरकार को सहायता देने हेतु 1969-70 मे तथा फिर 1970-71 मे 10 लाख रुपये का ऋण -व-अनुदान इस क्षेत्र पर अधिक जोर देते हुए राज्य पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए दिया गया। इसके अतिरिक्त 59.34 लाख रुपये का ऋण 1970-71 मे दिया गया।

मौरेना जिले मे 2000 हैक्टर क्षेत्र मे बीहड़ो को कृषि-योग्य बनाने की आर्थिक तथा तकनीकी सम्भावना को स्थायी आधार देने के लिए केन्द्र द्वारा प्रायोजित 50 लाख रुपये की लागत की एक मार्गदर्शी योजना हाथ मे ली गई है।

राज्य सरकारो से अन्तर-राज्य सम्पर्क सडको के लिए ऐसे प्रस्ताव तैयार करने तथा भेजने का अनुरोध किया गया है जिनकी अर्थ-व्यवस्था भारत सरकार द्वारा उनकी ऋण सहायता योजना के अन्तर्गत की जायगी।

अभी हाल मे, भारत सरकार ने यह आवश्यकता महसूस करते हुए कि समस्या का सभी पहलुओ से गहन अध्ययन किया जाए, तथा उन उपायो के अतिरिक्त अन्य उपाय ढूंढने के उद्देश्य से, जो इस क्षेत्र मे डाकुओ के आतक को को दूर करने के लिए पहले ही किये गये है, सम्पूर्ण विषय की जाच हेतु एक अध्ययन दल का गठन किया है।

आयात तथा निर्यात की गई वस्तुओं का मूल्य

354 **श्री हुकम चन्द कछवाय** क्या **विदेश व्यापार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) वित्तीय वर्ष 1970-71 के दौरान आयात तथा निर्यात की गई वस्तुओ का मूल्य भारतीय मुद्रा मे क्या है ; और

(ख) वित्तीय वर्ष 1971-72 मे आयात तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओ का अनुमानित मूल्य पृथक-पृथक क्या है ?

विदेशी व्यापार मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री ए० सी० जार्ज) : एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

आयातित तथा निर्यातित वस्तुओ का मूल्य दिखाने वाला विवरण।

1970-71 के दौरान कुल आयातो के अन्तिम आकडे 1628 करोड रु० है जबकि निर्यातो के तदनुरूप आकडे 1531 करोड़ रुपये होगे। 1970-71 की अपेक्षा 1971-72 मे कुल आयातो मे 5 प्रतिशत की वृद्धि होने की सभावना है। 1971-72 के दौरान कुल निर्यातों के प्रस्तुत अनुमान 1670 करोड रु० है।

New Unit of High-Polymer Research Laboratory Under C S I.R.

355 SHRI BIREN DUTTA : Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY (VIGYAN AUR PRADYOGIKI MANTRI) be pleased to state ·

(a) whether Government are having plans to start a new unit of High-polymer Research Laboratory under the C.S I.R. ;

(b) if so, the details thereof ;

(c) whether the attention of Government has been drawn to the suggestion of the workers of Sri Ram Institute of Industrial Research for taking over the Institute which is doing the same type of work ; and

(d) if so, the reaction of Government thereto ?

THE MINISTER OF PLANNING AND MINISTER OF DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (YOJANA MANTRI TATHA VIGYAN AUR PRADYOGIKI VIBHAG MANTRI) (SHRI C. SUBRAMANIAM) : (a) and (b). The Standing Committee which was appointed by the Council of Scientific and Industrial Research (C.S.I.R.) to go into the R and D problems of the plastic industry has suggested the setting up of a Special Cell in C.S.I.R. with the following functions :—

(i) to make a detailed review of the existing facilities available in the country and immediate additional facilities required for accelerating programmes of Research and Development in Polymers ;

(ii) to identify the needs of the industry both organised and small and medium scale sector for Research and Development and also programmes to build up forward technology ;

(iii) to attempt continuous contact and have dialogue with the industry to locate users of R and D at an early stage of the projects to be undertaken ;

(iv) to farm out R and D projects based on (i) to (ii) above and to determine priorities ; and

(v) to make suitable recommendations based on the need and facilities available including the setting up of a New laboratory.

The suggestions are under consideration.

(c) The Government has seen the Press Report published in one of the dailies at New Delhi.

(d) This will be looked into at the appropriate time.

Forecast by World Bank re : Indian Exports

356. SHRI BHOGENDRA JHA : Will the Minister of FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRI) be pleased to state :

(a) whether the World Bank forecast had predicted only 3.5 per cent annual rise in Indian exports and the actual rise in 1970-71 has been above 8 per cent ; and

(b) if so, the basis and motives behind the pessimistic World Bank forecast ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRALAYA MEN UP-MANTRI) (SHRI A. C. GEORGE) : (a) Yes, Sir. The forecast predicting a low rate of (about 3.5%) increase in Indian exports in 1970-71 may have been made at an early stage while drafting the foreign Trade Chapter of their annual report on India.

(b) It appears that their forecast was considerably influenced by the following factors :

(i) A decline in the rate of growth of exports from 13.3 per cent in 1968-69 to 4.1 per cent in 1969-70 ;

(ii) A substantial fall in exports during the months of June and July, 1970 as compared to the corresponding months of 1969 ;

(iii) The export figures for August, September and October 1970 available at that time were subsequently revised upward.

Steps to increase Exports

357. SHRI BHOGENDRA JHA : Will the Minister of FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR MANTRI) be pleased to state :

(a) the steps being taken to maintain and constantly increase this year's rate of rise in exports ; and

(b) the volume and percentage of exports to major capitalist socialist and developing countries and their relation to imports therefrom ?